मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 162, मुंबई, सोमवार, 1 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

वकील का दावा

हिरासत में नहीं हैं राउत

...कहा– समन पर ईडी ऑफिस गए हैं सांसद, जांच एजेंसी को घर से 11 लाख कैश मिला

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के पात्रा चॉल घोटाले में आरोपी शिवसेना सांसद संजय राउत से ईडी पूछताछ कर रही है। इसी दौरान रविवार यानी 31 जुलाई की शाम 4 बजे खबर आई कि राउत को ईडी ने हिरासत में ले लिया है। राउत घर से निकले, तो भगवा दुपट्टा लहराया और समर्थकों को विक्ट्री साइन दिखाया। इस मामले में ट्विस्ट तब आया, जब उनके वकील विक्रांत सबने ने दावा किया कि राउत को जांच एजेंसी ने हिरासत में नहीं लिया है। सबने ने कहा कि ईडी ने रविवार सुबह संजय राउत को नया समन दिया है। राउत बयान दर्ज कराने ईडी कार्यालय गए हैं। उन्हें न तो गिरफ्तार किया गया है और न हिरासत में लिया गया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

राउत बोले– न झुकूंगा, न पार्टी छोड़ूंगा

संजय राउत बोले, मार-मार कर पीट-पीट कर मेरे खिलाफ सबूत इकट्ठे किए जा रहे हैं। यह शिवसेना और महाराष्ट्र को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। इससे न शिवसेना कमजोर होगी और न ही महाराष्ट्र कमजोर होगा। मैं झुकूंगा नहीं और न ही पार्टी छोड़ूंगा।

'संजय राउत के घर बार-बार छापेमारी क्यों करना चाहती है ईडी'

महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता अजीत पवार ने रविवार को आश्चर्य जताते हुए पूछा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) शिवसेना सांसद संजय राउत के घर बार-बार छापेमारी क्यों करना चाहता है। कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने कहा कि मुंबई में राउत के आवास पर ईडी की छापेमारी लोकतंत्र की एक 'दयनीय छवि' को दर्शाता है और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सभी विपक्षी दलों को 'चुप' करना चाहती है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि वे मुद्दे को संसद में उठाएंगी। महाराष्ट्र में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने वाले पवार ने संवाददाताओं से कहा, कई लोगों को आयकर, ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से नोटिस मिला है। केवल राउत ही बता पाएंगे कि जांच एजेंसी (ईडी) उनके घर बार-बार छापेमारी क्यों करना चाहती है। सुले ने विश्वास जताया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा और राउत जांच एजेंसी के साथ सहयोग करेंगे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि यदि शिवसेना नेता संजय राउत बेकसूर हैं, तो अपने खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई से उन्हें डरना नहीं चाहिए। शिंदे ने औरंगाबाद में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, राउत ने घोषणा की है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। यदि ऐसा है तो जांच से डर क्यों रहे हैं? इसे होने दीजिए। यदि बेकसूर हैं तो किस बात का डर है?

देश के क्रांतिकारी पत्रकारों को साभार

'जहां लोकतंत्र नहीं है वहां भी पत्रकार है'

'पत्रकारिता का मुख्य काम है लोकहित की महत्वपूर्ण जानकारी जुटाना और उस जानकारी को संदर्भ के साथ इस तरह रखना कि हम उसका इस्तेमाल मनुष्य की स्थिति सुधारने में कर सकें'

मुंबई। पत्रकार अपने कलम से लोकतंत्र को सबसे ज्यादा मजबूत करता है। जहां लोकतंत्र नहीं है वहाँ भी पत्रकार है, पत्रकारिता जहाँ लोकतंत्र को मजबूत करती है तो वहीं देश में जनजागरण को पैदा करके लोगों के बीच में लोकतंत्र के माध्यम से चल रही व्यवस्थाओं पर कभी अच्छा कभी बुरा दोनों प्रकार का हमला करती है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

जिग्नेश भाई कलावाड़िया
राष्ट्रीय अध्यक्ष (एबीपीएसएस)

एकनाथ शिंदे सरकार का एक महीना पूरा

कैबिनेट विस्तार के अभी कोई संकेत नहीं

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर राजनीतिक उठा पटक के बाद सत्ता में आई मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार के गठन को शनिवार को एक महीना पूरा हो गया, लेकिन इसके कैबिनेट विस्तार के अभी कोई संकेत नहीं हैं। शिंदे की अगुवाई में कई विधायकों के शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह करने के 10 दिन बाद राज्य में नयी सरकार का गठन हुआ था। शिंदे ने 30 जून को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

फिर मिग-21 दुर्घटना

राजस्थान के बाड़मेर में वायुसेना के मिग-21 लड़ाकू विमान की दुर्घटना की खबर परेशान करने वाली है। इस हादसे में वायुसेना के दो पायलटों की जान चली गई। यह दुर्घटना उस समय हुई, जब दो सीट वाले इस विमान से आक्रमण का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। राजस्थान में वायुसेना के उतरलाई केंद्र से विमान ने उड़ान भरी थी और जब यह बाड़मेर के पास उड़ रहा था, उसी समय यह दुर्घटना हो गई। मिग-21 लंबे समय तक भारतीय वायुसेना का सबसे भरोसेमंद विमान रहा है। इस समय, जब वायुसेना में कई आधुनिक लड़ाकू विमान आ चुके हैं, तब भी मिग-21 इसकी रीढ़ बना हुआ है। इसे 60 साल पहले भारत ने अपने बमवर्षक बेडे.में शामिल किया था। याद कीजिए उस सर्जिकल स्ट्राइक को, जब विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान इसी मिग-21 पर बैठ पाकिस्तान में आतंकियों के प्रशिक्षण शिविरों को ध्वस्त करने के लिए घुसे थे और वहां पाकिस्तान के अमेरिका में बने एफ-16 विमान को मार गिराया था। इसके पहले बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भी इस विमान ने काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, एक के बाद दूसरी दुर्घटनाओं की वजह से रूस में निर्मित यह विमान पिछले कुछ समय से विवादों में रहा है और रह-रहकर वायुसेना से इसकी विदाई की बातें भी चलती रही हैं। ताजा दुर्घटना से वे तमाम पुराने विवाद एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। आंकडे. बताते हैं कि 1970-71 से अब तक भारत में इस विमान की 400 से ज्यादा दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और इनमें 200 से ज्यादा पायलट मारे जा चुके हैं। इन दुर्घटनाओं में 50 से ज्यादा अन्य लोगों की भी जान जा चुकी है। यूपीए सरकार के दौरान तत्कालीन रक्षा मंत्री एके एंटोनी ने लोकसभा में बताया था कि भारत ने अब तक कुल 872 मिग-21 खरीदे हैं, जिनमें से आधे से अधिक दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। इन्हीं दुर्घटनाओं की वजह से इसे उड़ता हुआ ताबूत भी कहा जाता है। यह भी कहा जाता है कि मिग-21 ऐसा विमान है, जिसकी वजह से हमारे वायुसैनिक शांति काल में भी जान गंवा देते हैं। तकरीबन एक दशक पहले रिटायर विंग कमांडर संजीत सिंह कालिया ने अदालत में याचिका डाल मांग की थी कि इस विमान की वायुसेना से विदाई की जाए। उनकी दलील थी कि यह विमान सुरक्षित स्थितियों में काम करने के मेरे अधिकार का उल्लंघन करता है। दरअसल, संजीत सिंह कालिया खुद एक मिग-21 दुर्घटना में बाल-बाल बचे थे। लेकिन भारतीय प्रतिरक्षा में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस विमान से इतनी जल्दी किनारा भी नहीं किया जा सकता था। मिग-21 दुनिया के प्रतिरक्षा कारोबार में सोवियत व्यवस्था का सबसे बड़ा प्रतीक था। सोवियत व्यवस्था तो इतिहास हो गई, लेकिन यह विमान अभी भी बहुत से देशों की प्रतिरक्षा का वर्तमान बना हुआ है। अब इसका पूरा कारोबार रूस के हवाले है। यह विमान दुनिया के कई देशों को बेचे गए थे, इसलिए इसके कल-पुर्जों का अभी भी खासा बड़ा बाजार है। कहा जाता है कि इन कल-पुर्जों की गुणवत्ता काफी खराब है, जो दुर्घटनाओं की मुख्य वजह है। ताजा दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं लग सका है, लेकिन जो भी हो, अब इस पुरातन विमान को अतीत की चीज बनाने का समय आ गया है। इसे एकाएक विदाई भले न दी जा सकती हो, लेकिन चरणबद्ध तरीके से इसे रिटायर करने का टाइमटेबल बनाए जाने की जरूरत है।

ममता, केजरीवाल क्या करें?

ममता बनर्जी सदमे में हैं। अरविंद केजरीवाल भी परेशान होंगे। कहने को भले उन्होंने कहा हो कि- तुम लोग सावरकर की औलाद हो, जिन्होंने अंग्रेजों से माफी मांगी थी, हम भगत सिंह की औलाद हैं। - हमें जेल और फांसी के फंदे से डर नहीं लगता। हम कई बार जेल होकर आ गए हैं। मगर पहले सत्येंद्र जैन और अब मनीष सिसोदिया पर लटकी तलवार ने केजरीवाल को मन ही मन झिंझोड़ा होगा। ममता और केजरीवाल दोनों की ईमानदारी पर जनता में सवाल पैदा कर दिए हैं। ममता बनर्जी का संकट इसलिए बड़ा है क्योंकि सरकार में नंबर दो हैसियत के पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के घर पर छापे में मिली करोड़ों की नकदी के फोटो और वीडियो को बंगाल के भद्र और गरीब जनता भुला नहीं सकती। खुद ममता बनर्जी को नकदी का अंबार देख कर सांप सूंघ गया होगा। उन्होंने सदमे में चुप्पी धार ली और आखिरकार पार्थ चटर्जी को हटाया। मैंने ममता बनर्जी को सांप सूंघने का जुमला इसलिए इस्तेमाल किया क्योंकि ममता बनर्जी का चरित्र पैसे का भूखा और भ्रष्टाचार में तर-बतर रहने का नहीं है। कुछ भी हो ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल वैसे बेईमान नहीं हैं, जैसा भारत का आम राजनेता है। मेरा अरविंद केजरीवाल से कोई लगाव नहीं है। उलटे उनके द्वारा बाकी सबको बेईमान बताने की राजनीति के खिलाफ लिखा है। दिल्ली सरकार याकि केजरीवाल और मनीष सिसोदिया से 'नया इंडिया' को एक पैसे का विज्ञापन नहीं मिला है। बावजूद इसके एनजीओ के वक्त (मैंने ही उन दिनों आरटीआई एक्टिविस्ट केजरीवाल के नाते उनका 'सेंट्रल हॉल' में पहला इंटरव्यू किया था।) केजरीवाल की तासीर को जो समझा है तो उसमें मानता हूं कि निजी तौर पर वे पैसे की भूखी प्रवृत्ति के नहीं हैं और यहीं बात भविष्य की पूंजी है। मेरी यहीं धारणा ममता बनर्जी को लेकर है। इसलिए दोनों से भविष्य में नरेंद्र मोदी के आगे खम ठोक चुनौती की संभावना थी।

दोनों को मोदी सरकार और उनकी ईडी ने पंक्चर कर दिया है। दोनों पर आगे और गाज गिरेगी। मनीष सिसोदिया ही नहीं, बल्कि उनके दिल्ली, पंजाब के मंत्रियों पर पल-पल की नजर रखी जा रही होगी। ईडी को क्योंकि सुप्रीम कोर्ट से अब पूरी छूट मिल गई है तो सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में जहां-जहां नरेंद्र मोदी को जो-जो चुनावी चुनौती देता हुआ होगा उस पर छापे ही छापे पड़ने हैं। अगले डेढ़ साल भारत ईडी के छापों का देश होगा और स्टालिन हों या केसीआर या कुमारस्वामी, केरल के लेफ्ट मोर्चे के नेता, पंजाब के मंत्री, हेमंत सोरेन सरकार के लोग या कांग्रेसी नेता और मुख्यमंत्री सभी छापों की बाढ़ में डूबे हुए होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लाइसेंस दिया है जो वह मोदी सरकार के लिए राजनीतिक ब्रह्मास्त्र के रूप में काम करे। खैर, यह 75 वर्षों में व्यवस्था और तंत्र के पिंजरे में लोगों को बांधे रखने की हिंदू नियति का सहज विकास है। कोई कुछ नहीं कर सकता। आखिर ईडी को कांग्रेस-यूपीए सरकार ने ही तो इतना ताकतवर बनाया था। बहरहाल, मुद्दा है कि ममता और केजरीवाल क्या करें?

यदि दो-चार मंत्रियों पर ईडी की छापेमारी के ठप्पे से कालिख पुत जाए और उस जैसे बहानों पर केंद्र सरकार दिल्ली विधानसभा के कानून को ही खत्म करके केजरीवाल को सड़क पर ला दे तो वे क्या करेंगे? क्या गुजरात में धरना दे कर गुजरात विधानसभा चुनाव जीते लेंगे? या हरियाणा के अगले विधानसभा चुनाव में जीत कर वहां के मुख्यमंत्री बन जाएंगे? क्या 2024 तक पंजाब सरकार को बचाए रख सकेंगे? ऐसा अस्तित्व का संकट सन 2024 तक ममता बनर्जी पर नहीं होगा। उनके विधायकों के बड़ी संख्या में दलबदल करने याकि उन्हें उद्धव ठाकरे की तरह घर बैठा देने, तृणमूल कांग्रेस को खत्म कर देने जैसी संभावना फिलहाल नहीं लगती है। मगर हां, ममता और उनके विधायक अब सहमे रहने हैं। त्रिपुरा जैसे विधानसभा चुनाव में ममता का मकसद चुनाव जीतना नहीं होगा, बल्कि कांग्रेस-लेफ्ट मोर्चे (यदि बना) के वोट काटने का रहेगा। असली सवाल है कि ममता और केजरीवाल क्या सरकार बचाने के लिए मोदी-शाह की राजनीति के आगे वैसे ही समर्पण किए हुए नहीं होंगे, जैसे यूपी में मायावती का रोल माना गया? सन 2024 की भाजपा रणनीति का कोर फोकस इस बात पर है कि सभी विपक्षी पार्टियों के नेता ऐसे फंसे रहें कि उनमें न चुनाव लड़ने का हौसला रहे और न साझा मोर्चे याकि साझा रणनीति का ख्याल बने। सोचें, ममता और सत्येंद्र जैन, मनीष या सोनिया और राहुल गांधी पर ईडी की मार में क्या कहीं विपक्ष में एक-दूसरे की मदद, समर्थन जैसी कोई बात सुनी? मीडिया में भी इन पर समर्थन-सहानुभूति में कोई लिखता हुआ नहीं मिला, मनीष सिसोदिया पर हमारे डॉ. वेदप्रताप वैदिक को छोड़ कर!

पैसा भारत में ईश्वर है!

भाजपा के दिवंगत सांसद दिलीप सिंह जूदेव ने एक बार डायलॉग बोला था- पैसा खुदा तो नहीं पर खुदा से कम भी नहीं! वे एक स्टिंग ऑपरेशन में पैसे ले रहे थे और छिपे हुए कैमरे के सामने कह रहे थे कि पैसा खुदा तो नहीं पर खुदा से कम भी नहीं। उन्होंने जाने-अनजाने में भारत की हकीकत बताई। सचमुच पैसा खुदा से कम नहीं है। भारत में पैसा सत्ता की चाबी है। वह चुनाव जीतने की कुंजी है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, एडीआर ने कई चुनावों का अध्ययन करके बताया है कि करोड़पति उम्मीदवार के चुनाव जीतने की संभावना लखपति उम्मीदवार से कई गुना ज्यादा होती है। तो सोचें, अरबपति उम्मीदवार के जीतने की संभावना कितनी ज्यादा हो जाती होगी? जिसके पास जितना ज्यादा पैसा है उसके चुनाव जीतने की संभावना उतनी ज्यादा है। यह बात जितनी उम्मीदवार के बारे में सही है उतनी ही पार्टियों के बारे में भी सही है। एडीआर ने ही कर्नाटक के पिछले विधानसभा चुनाव का अध्ययन करके अनुमान जताया था कि चुनाव में सभी पार्टियों को मिला कर कुल खर्च 10 हजार करोड़ रुपए का हुआ है। सोचें, 224 विधानसभा और 28 लोकसभा सीट वाले राज्य का चुनावी खर्च अगर 10 हजार करोड़ रुपए है तो 545 लोकसभा सीट के चुनाव का खर्च क्या होगा? अगर सीटें के अनुपात में उसी आंकड़े को 20 गुना कर दें तो लोकसभा चुनाव का मोटा-मोटी खर्च दो लाख करोड़ रुपए होगा। यह एक कंजरवेटिव अनुमान है। वास्तविक खर्च इससे काफी ज्यादा हो सकता है। अब सोचें कि इसमें सबसे ज्यादा खर्च कौन करेगा? जाहिर है, जिसके पास सत्ता है उसके पास सबसे ज्यादा पैसा है और वहीं सबसे ज्यादा खर्च करेगा। अब सवाल है कि पैसा किस चीज पर खर्च होगा? पैसा प्रचार पर खर्च होगा, पैसा विज्ञापनों पर खर्च होगा, पैसा सोशल मीडिया पर खर्च होगा, पैसा चुनाव मशीनरी के ऊपर खर्च होगा और पैसा मतदाताओं के ऊपर भी खर्च होगा। अब चुनाव सिर्फ पार्टी कार्यकर्ता की मेहनत और उसके जुनून के दम पर नहीं लड़ा जाता है। अब पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी चुनाव प्रचार में उतरने के लिए पैसा चाहिए। जो नारे लगाने जाएगा और जुलूस में शामिल होगा उसे भी गाड़ी में पेट्रोल-डीजल चाहिए और नकद पैसे भी चाहिए। जो वोटिंग कराने के लिए पोलिंग एजेंट बनेगा उसे भी पैसा चाहिए और काउंटिंग एजेंट को भी पैसा चाहिए। राजनीतिक प्रतिबद्धता और निष्ठा के साथ साथ पैसे का बड़ा रोल हो गया है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

टीएमसी प्लान द्वारा निर्धारित एफएसआई से अधिक भवन निर्माण द्वारा किया गया अवैध बांधकाम

मनपा प्रशासन द्वारा की गई खानापूर्ति कार्रवाई, टीएमसी प्लान की आड़ में मनपा प्रशासन के अधिकारी की मिलीभगत से भवन निर्माता द्वारा किया जा रहा है अवैध बांधकाम और जनता के साथ की जा रही है धोखाधड़ी

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा दाभोलकर स्थित बाजार की तरफ जाने वाले रास्ते पर जहांगीर हाइट नामी आठ मंजिला इमारत में भवन निमार्ता जहांगीर कपाड़िया द्वारा टीएमसी प्लान इमारत में अवैध बांधकाम करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में बताया जा रहा है यह इमारत जो बनाई गई है वह टीएमसी प्लान के तहत बनाएं जाने वाली थी जिसका प्लान शहर विकास विभाग द्वारा पास किया गया जिसकी मंजूरी पहले सीसी के आधार पर तीन मंजिला तक दी गई थी उसके बाद बढ़ाकर पांच मंजिला इस इमारत को बनाया गया और भवन निमार्ता द्वारा तीन मंजिला अधिक अवैध बांधकाम करके आठ मंजिला इस इमारत को बना दिया गया है जबकि शहर विकास विभाग कि माना जाए तळ + 5 मंजिला बनाना था परन्तु भवन निमार्ता द्वारा मनपा प्रशासन से सांठगांठ कर तीन मंजिला अधिक अवैध बांधकाम कर दिया गया गौरतलब बात तो यह है जो तळ मंजिला स्टील पार्किंग के लिए छोड़ा जाता है मकान धारकों की गाड़ी पार्किंग करने के लिए उसे भी भवन निर्माता ने अपने फायदे के लिए उस जगह पर दुकानें बना दी है जब इस मामले की शिकायत शहर विकास विभाग में शिकायत कर्ताओं द्वारा की गई पिछले वर्ष शहर विकास विभाग द्वारा भवन निमार्ता को नोटिस भी दिया गया था और संपूर्ण इस इमारत की जानकारी भी मांगी गई थी परंतु जब शहर विकास विभाग द्वारा इस इमारत की छानबीन की गई तो पता चला कि

भवन निर्माता द्वारा इस इमारत में तीन मंजिला छठा, सातवां, आठवां मंजिला, तळ मंजिला, इमारत पूरी तरह से अवैध बांधकाम किया गया है यह जानकारी शहर विकास विभाग द्वारा दी गई आपको बताते चलें मुंब्रा कलवा शहर में ऐसी कई इमारतें हैं जो भवन निमार्ता द्वारा शहर वासियों को टीएमसी इमारत बता कर उस पर अवैध बांधकाम किया जा रहा है यह सब मनपा प्रशासन के अधिकारी की मिलीभगत से किया जा रहा है जिसका खामियाजा जनता को भविष्य में भुगतना पड़ सकता है यह भवन निर्माता अपने फायदे के लिए ग्राहकों से टीएमसी के भाव से पैसों की वसूली कर रहे हैं और ग्राहकों को अवैध बांधकाम के मकान दिए जा रहे हैं गत 22 जुलाई शुक्रवार को शिकायकर्ताओं की शिकायत पर शहर विकास विभाग द्वारा खानापूर्ति की कार्यवाही की गई जिसमें सिर्फ दुकाने तोड़ी गई परंतु जो तीन मंजिला पूरी तरह से अवैध तरीके से भवन निमार्ता द्वारा बनाया गया था उस पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई इससे समझा जा सकता है कि शहर में टीएमसी प्लान के नाम पर मनपा प्रशासन के अधिकारी की मिलीभगत से अवैध बांधकाम कर ग्राहकों के साथ में धोखाधड़ी की जा रहा है जिस तरह से यह आठ मंजिला इमारत को बनाया गया है और कहा गया है यह टीएमसी प्लान है जबकि टीएमसी प्लान पास कराने के लिए कई नियम हैं जिसका पालन करना अनिवार्य है लेकिन इस इमारत में टीएमसी प्लान की किसी भी नियम पर अमल नहीं करते हुए यह इमारत बनाई गई जिससे इस साफ समझा जा सकता है कि मनपा प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी की मिलीभगत से भवन निमार्ता प्लान पास करा रहे हैं और जनता के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं तो मनपा आयुक्त बिपिन शर्मा से निवेदन है कि मुंब्रा कलवा शहर में टीएमसी प्लान के नाम पर बनाई जा रही इमारतें का पूरी तरह से संज्ञान ले ताकि कोई भी मकान खरीदार इन भवन निर्माताओं की धोखाधड़ी का शिकार ना हो सके।

मुंबई साइबर पुलिस ने ऑनलाइन तत्काल कर्ज की पेशकश करने वाले गिरोह के 14 लोगों को गिरफ्तार किया

मुंबई। मुंबई में साइबर पुलिस ने लोगों का उत्पीड़न करने वाले गिरोह के 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह मोबाइल फोन एप्लीकेशन के जरिये लोगों को तत्काल कर्ज की पेशकश करता था। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा के संयुक्त आयुक्त सुहास वार्के के मुताबिक साइबर पुलिस ने 14 करोड़ रुपये की धनराशि और 2.17 लाख अमेरिकी डॉलर की क्रिप्टो करेंसी रखने वाले 350 बैंक खातों के लेन-देन पर रोक लगा दी है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक लोगों के साथ धोखाधड़ी व उत्पीड़न

का मामला तब सामने आया जब मई में एक व्यक्ति द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद जांच की गई। इसके बाद पिछले कुछ हफ्तों में कई गिरफ्तारियां की गईं। मोबाइल फोन एप्लीकेशन पर तत्काल ऋण के लिए आवेदन करते समय आवेदकों का सारा व्यक्तिगत डेटा आरोपी व्यक्तियों की कंपनी में चला जाता था, जिसका उपयोग वे ऋण चुकाने में विफल रहने वाले लोगों के उत्पीड़न के लिए करते थे। आरोपी कथित तौर पर अश्लील तस्वीरें बनाकर ऋण चुकाने में विफल रहने अथवा ब्याज का भुगतान नहीं करने वाले लोगों को परेशान करते थे। पुलिस के मुताबिक आरोपियों को बेंगलुरु, आंध्र प्रदेश, गुरुग्राम, मुंबई और उत्तराखंड से गिरफ्तार किया गया है।

संदिग्ध बांग्लादेशी आतंकवादियों की धर-पकड़ के लिए मुंबई पुलिस ने अभियान तेज

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट के 'फॉरेन रिटर्न सिटीजन' (एफआरसी) डेस्क पर आए एक ई-मेल से शहर में बवाल मचा हुआ है। फर्जी पासपोर्ट के मदद से विदेश जाने की कोशिश कर रहे दो संदिग्ध बांग्लादेशी आतंकवादियों की धर-पकड़ के लिए मुंबई पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। सूत्रों का दावा है कि यह मेल बांग्लादेश भेजा गया है। जानकारी अनुसार छत्रपति शिवाजी महाराज हवाई अड्डे के एफआरसी डेस्क को १८ जुलाई को एक ई-मेल प्राप्त हुआ था कि दो संदिग्ध बांग्लादेशी आतंकी मुंबई हवाई अड्डे से सर्बिया की उड़ान पकड़ने वाले हैं। मेल में यह भी बताया गया था कि भारतीय पासपोर्ट के साथ यात्रा कर रहे सुजान सरकार और समीर रॉय नामक दोनों व्यक्ति 'बांग्लादेशी आतंकवादी' हैं, जिसके बाद उन्हें विमान पर सवार होने से रोक दिया गया था। ईमेल भेजने वाले ने इन दोनों को गिरफ्तार करने का भी आग्रह किया था। मेल प्राप्त होने के बाद मुंबई पुलिस सहित सभी संबंधित एजेंसियों को इन दोनों संदिग्धों को पकड़ने के लिए सतर्क कर दिया गया था। इसके साथ ही अब मुंबई पुलिस उनकी तलाशी के लिए अभियान चलाया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

'जहां लोकतंत्र नहीं है वहां भी पत्रकार है'

जिससे लोगों को सुधरने का स्तर मिलता है। लोकतंत्र में पत्रकारिता जोखिम भरा काम है क्योंकि आपको सही सूचना इकठ्ठा करना और सही बात को जनता के बीच में रखना आपका दायित्व है। पत्रकारिता में जोखिम उठाकर आगे बढ़कर उन तथ्यों को समाज के समक्ष, सरकार के समक्ष रखते है तो कुछ लोग जो लोकतंत्र में विश्वास न रखते हुए अपनी आलोचना बर्दाश्त नहीं करते है वो लोग आपके लिए खतरा बन जाते है। आज हमें संगठित होने की सबसे ज्यादा जरूरत है जैसा कि आप सभी को ज्ञात है कि देश का एकमात्र संगठन अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति विगत पिछले कई वर्षों से देश के पत्रकार साथियों के लिए पत्रकार सुरक्षा कानून सम्पूर्ण भारतवर्ष में लागू करवाने के लिए प्रयासरत है इसी तेजी के साथ देश में सदस्यता अभियान जारी है और जो साथी त्याग, तपस्या व बलिदान की भावना रखते है और संगठन के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद करना चाहते है तो निस्वार्थ भाव के पद ग्रहण करें व अपने कार्यों का निर्वहन करें।

वकील का दावा- हिरासत में नहीं हैं राउत

ईडी ने संपत्ति के कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं, लेकिन उन्हें पात्रा चॉल घोटाले से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं मिला। इधर, सूत्रों ने बताया कि रविवार को संजय राउत के घर की तलाशी के दौरान ईडी को साढ़े ग्यारह लाख रुपए नगद मिले हैं। राउत या उनके परिवार के लोग इस रकम का सोर्स नहीं बता सके हैं। ईडी ने इस रिकवरी को अपनी जांच में दर्ज कर लिया है। पात्रा चॉल घोटाला 1043 करोड़ रुपए का है। राउत इस केस में आरोपी हैं। महाराष्ट्र में उद्धव सरकार गिरने के ठीक 31 दिन बाद यानी रविवार को जब राउत एऊऑफिस के लिए निकले तो उनके तेवर देखने लायक थे। राउत घर से निकले तो भगवा दुपट्टा लहराते नजर आए। रवाना हुए, तो लग्जरी एसयूवी की छत से विक्ट्री साइन दिखाया। इतना ही नहीं, अपने समर्थकों की नारेबाजी पर मुट्ठी बांधकर दोनों हाथ हवा में लहराते रहे। इसके कुछ देर बाद राउत ने बाल ठाकरे और उद्धव की तस्वीर के साथ ट्वीट किया। इसमें लिखा- आप उस व्यक्ति को नहीं हरा सकते जो कभी हार नहीं मानता। झुकेंगे नहीं, जय महाराष्ट्र।

एकनाथ शिंदे सरकार का एक महीना पूरा

सत्ता में आने के बाद शिंदे सरकार ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया, जिसे उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। दो सप्ताह पहले फडणवीस ने कहा था कि परियोजना में तेजी लाने के लिए सभी मंजूरी दे दी गई है। गौरतलब है कि वर्तमान में शिंदे और फडणवीस ही कैबिनेट के सदस्य हैं। कैबिनेट विस्तार में देरी के कारण विपक्षी दलों को सरकार पर निशाना साधने का मौका मिल गया है। कांग्रेस की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष रत्नाकर महाजन ने बातचीत के दौरान कटाक्ष करते हुए कहा, यह राज्य के इतिहास में पहली बार है कि दो सदस्यों का एक विशाल मंत्रिमंडल बाढ़, कुछ स्थानों पर बारिश की कमी और अन्य मामलों को संभाल रहा है। उन्होंने कहा, किसी राजनीतिक दल के लिए कभी इतनी दयनीय स्थिति नहीं रही कि वह एक महीने में किसी राज्य में पूर्ण मंत्रिमंडल नहीं बना पाया हो। इसके लिए भाजपा की अति महत्वाकांक्षी योजना को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। 40 विधायकों के अलावा पार्टी के 19 में से 12 लोकसभा सदस्यों ने भी शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी है। सांसदों के अलग हुए समूह को लोकसभा अध्यक्ष ने मान्यता दी है, लेकिन शिवसेना ने मांग की है कि अध्यक्ष उन्हें अयोग्य घोषित कर दें। शिंदे धड़े के मुख्य प्रवक्ता दीपक केसरकर ने कहा कि शिवसेना के विधायक विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए कैबिनेट मंत्रियों की तुलना में जिला संरक्षक मंत्री बनने में अधिक रुचि रखते हैं। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि विभागों के आवंटन को लेकर कोई विवाद नहीं है। दीपक केसरकर ने कहा, लंबे समय के बाद महाराष्ट्र को एक ऐसा मुख्यमंत्री मिला है,जो लोगों के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा, पिछले एक महीने से कोई सरकार अस्तित्व में नहीं है। इससे पहले कभी भी महाराष्ट्र की प्रतिष्ठा को इस तरह से कम नहीं किया गया। राज्य के सम्मान से समझौता किया गया। शिंदे और फडणवीस द्वारा ली गई शपथ अवैध है।

आई लव यू...घर पर आ जाओ अकेली हूं?

उदयपुर की मोनिका कुंवर से सावधान?

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। उदयपुर शहर में हनीट्रेप से जुड़ा एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसमें एक 30 साल के फिजिकल शिक्षक को हनीट्रेप में फंसाकर लाखों रुपए लूटने का खुलासा हुआ है। सविना थाने में दर्ज हुए इस मामले में पुलिस ने एक महिला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों के बीच लंबे समय से वॉट्सऐप पर बातें हो रही थी। महिला ने एक दिन युवक को मिलने घर बुलाया। फिर अचानक कमरे में आए कुछ युवक ब्लैकमेल कर रुपए मांगने लगे।

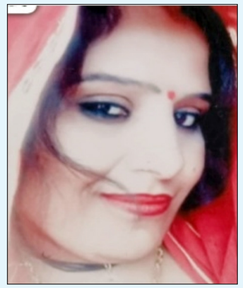

पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मोनिका कुंवर, राजेन्द्र सिंह राजपूत, आसपुर निवासी विक्रम सिंह, भवान सिंह, केसर सिंह और अंबामाता निवासी लोकेश को गिरफ्तार किया है। वॉट्सऐप बना दोस्ती का जरिया झाड़ोल फलासिया में कार्यरत शारीरिक शिक्षक ने मामला दर्ज कराया कि 22 जुलाई को एक महिला मोनिका कुंवर (38) ने उसे वाट्सऐप पर कोल किया था।घर बुलाने लगी।25 जुलाई को महिला ने घर पर अकेली होने की बात कही तो शिक्षक उसके घर जाने के लिए राजी हो गया। शिक्षक के जाने पर महिला तीतरड़ी चौराहे पर खड़ी मिली। वहां से शिक्षक को बाइक पर बैठा कर घर ले गई। महिला के घर जैसे ही पहुंचा उस समय तीन से चार लोग आ धमके। महिला ने उसे बाथरूम में छिपने के लिए कहा। तभी उन लोगों में से एक बाथरूम में पहुंचा। मारपीट करते हुए शिक्षक का मोबाइल छीन लिया। उन्होंने शिक्षक का विडियो बनाया। साथ ही 20 लाख रुपए की मांग भी की। लोग धमकाते हुए शिक्षक को उसके घर ले गए। और उससे 10-10 लाख रुपए के दो चैक लिए। उसके बाद भी आरोपी शिक्षक को फोन करके पैसों की मांग करते रहे। शिक्षक को बार बार बार केस में फंसाने की धमकियां भी दी। इसके बाद शिक्षक ने 26 जुलाई को एसपी ऑफिस जाकर पूरा घटनाक्रम बताया।

शिक्षक ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि बदमाशों ने लगातार उसे और उसके बेटे को मारने की धमकी भी दी। शिक्षक के एसपी को रिपोर्ट देने के बाद एसपी ने तुरन्त मामला दर्ज करने के आदेश दिए। 27 जुलाई को देर रात पांचों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद सविना थाने में आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 384 और 388 में मामला दर्ज किया गया। गौरतलब है कि आरोपी महिला मोनिका कुंवर इससे पहले भी कई लोगों को 376 के मुकदमे में फंसाकर मोटी रकम वसूल चुकी हैं। बहरहाल मोनिका कुंवर जैसी अय्याश महिला से सावधान रहने की आवश्यकता हैं।

दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस आरटीआई विभाग की एग्जीक्यूटिव मीटिंग संपन्न हुई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भारतीय युवा कांग्रेस कार्यालय में दिल्ली प्रदेश यूथ कांग्रेस आरटीआई डिपार्टमेंट की एग्जीक्यूटिव मीटिंग संपन्न हुई जिसमें दिल्ली सरकार द्वारा किए जा रहे भ्रष्टचार की सूची बनाई गई जिसमें डीटीसी बसों में करोड़ों रुपए का घोटाला, दिल्ली में गैरकानूनी पार्किंग से मुनाफा कमाना, दिल्ली जल बोर्ड कनेक्शन में धांधली, विद्युत विभाग में गैर कानूनी तरीके से किए गए कनेक्शन के भ्रष्टचार, एमसीडी में भ्रष्टाचार, गैरकानूनी तरीके से भवन निर्माण एवं गैर कानूनी तरीके से हो रही रजिस्ट्री के व्यापक भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं दिल्ली सरकार के अंतर्गत 22 हजार शिक्षकों के गैर कनूनी तरीके से शोषण के मामले सामने आए हैं

राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने रखा गया केजरीवाल सरकार के भ्रष्टचार का मसौदा

एक दिल्ली सरकार में हो रहे भ्रष्टाचार के मुद्दों पर एवं उन पर सूचना के अधिकार कानून के तहत पाई गई अनियमितताएं एवं भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए आरटीआई विभाग ने सूचना मांगी है दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस आरटीआई विभाग की चेयरपर्सन एडवोकेट प्रतिक्षा शर्मा वाइस चेयरमैन सुमित यादव, प्रभारी मनप्रीत भल्ला राकेश शर्मा, इरशाद सिद्दकी ने आदमी पार्टी सरकार के के भ्रष्टाचार के मामलों का मसौदा भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने रखा। जिसमें भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास आरटीआई डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. अनिल कुमार मीणा वाइस चेयरमैन आनंद मिश्रा एवं डॉ अलका आनंद की उपस्थिति में उपस्थित ही में केजरीवाल सरकार के भ्रष्टचार का मसौदा प्रस्तुत किया गयो दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस आरटीआई डिपार्टमेंट की एग्जीक्यूटिव मीटिंग में एडवोकेट अमित खंडेलवाल, अनितेश कुमार, मोहन डेडवाल, वंशिका, मोक्ष, सचिन शर्मा अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। जैसा कांग्रेस आरटीआई डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल मीणा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया।

विश्व में ज्ञात 90% बीमारियों से 100% इलाज-क्लीजिंग थेरेपी: डा. यशपाल गुप्ता

मुंबई हलचल/ भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। 22 को सरस्वती शिशु मन्दिर, नेहरू नगर में डा. यशपाल जी ने एक मीटिंग के दौरान जानकारी देते हुए प्रेस को बताया कि उक्त शिविर शनिवार,30 जुलाई, 2022 को प्रातः 11 बजे से अगले दिन रविवार, 31 जलाई, 2022 को 11 बजे तक होटल ग्रैंड तुषार चौधरी मोड, जी.टी. रोड, (निकट घंटाघर व रेलवे स्टेशन) गाजियाबाद में सम्पन्न होगा।

क्या मिलेगा इस कैम्प में:

1. यशपाल गुप्ता, क्लीजिंग थेरेपिस्ट के सुपरविजन में लिवर क्लींज का अवसर
2. किडनी क्लींज, एसिडिटी क्लींज, लिवर क्लींज, माउथ क्लींज, नोज क्लींज, आई क्लींज, फुट क्लींज आदि अन्य क्लींज की आवश्यकतानुसार प्रैक्टिकल व विस्तृत जानकारी
3. लिवर क्लींज के लिए आवश्यक सात्विक भोजन व सभी क्लीजिंग सामिग्री
4. मूलभूत सुविधायुक्त 'एसी'डबल बेडरूम में ट्विन शेयरिंग आवास। सीमित स्थान (केवल 20)-पहले आओ पहले पाओ।अविलम्ब सीट बुक कराएं।सहयोग राशि: 2,500/= प्रति व्यक्ति। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

◆ भारतीय जनता पार्टी दक्षिण मुंबई के जिला सचिव विजय रजक जन्म दिवस उनके जनसंपर्क कार्यालय जीजा माता नगर वर्ली में बड़े धूमधाम से मनाया गया, उक्त अवसर पर बोरीवली के कार्य सम्राट विधायक सुनील विशेष रुप उपस्थिति थे। तस्वीर में रजक को पुष्पगुच्छ व शाल देकर शुभकामना देते हुए वरली मंडल अध्यक्ष दीपक पाटिल वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालगोविंद तिवारी गुजराती सेल के अनिल परमार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

615 नर्सिंग होम पर मनपा और दमकल विभाग की गाज

मुंबई। नर्सिंग होम बिना आग प्रतिबंधक उपाय के धडल्ले से चल रहे है। आग की बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए मनपा और दमकल विभाग ने आग प्रतिबंधक उपाय नहीं करने वाले नर्सिंग होम पर कार्रवाई शुरू कर दी है। दमकल विभाग द्वारा मुंबई के 1258 नर्सिंग होम का पिछले 25 दिनों में जायजा लिया जिसमे 615 नर्सिंग होम बिना आग प्रतिबंधक उपाय के पाए गए है।

◆ कुलाब्याचा युवराज पद्मपूजन समारोह के अवसर पर शिवसेना कोलाबा विधानसभा के संयोजक पार्षद श्री गणेश सनप, श्रीमती सुजाताताई दिग्विजय सनप, शाखा प्रमुख श्री जयवंत नाइक, श्री शरद वाघ, श्री ओंकार चव्हाण, श्री. तबरेज शिकालगर, श्री हरि अवध ने मंडल का दौरा किया। इस अवसर पर बोर्ड के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गुलाबपुरा कस्बे में हनुमान चालीसा का पाठ अनवरत जारी, भक्तों में अपार उत्साह

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुरा कस्बे के हिंदू समाज में विगत कुछ दिनों अनूठा भक्ति का आनंद देखने को मिल रहा है प्रत्येक शनिवार को अलग-अलग मंदिरों में सामूहिक हनुमान चालीसा के पाठ का भक्तिमय आयोजन कर संगठन का उद्देश्य सफल होता दिखाई दे रहा है मंदिरों में आरती के समय मंदिरों में जाने का प्रचलन करना संगठन का मुख्य आधार है। आयोजन की शुरूआत विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल की एक शनिवार की सामूहिक बैठक उखाड़ पछाड़ बालाजी मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई जो विस्तारित क्रम में चलते हुए सर्व हिंदू समाज द्वारा पिछले आठ शनिवार के कार्यक्रमों में हिंदू समाज में एक उत्साह देखने को मिला है। कार्यक्रम को हर बार अलग- अलग मंदिरों में करके संगठन समाज को एकजुट करने के उद्देश्य एवं अपने धर्म के प्रति जागरूक होने का कार्य कर रहा है। कार्यक्रम सर्वप्रथम उखाड़ पछाड़ बालाजी से प्रारंभ होकर मारुति नंदन बालाजी इंदिरा कॉलोनी, कला बावजी मंदिर, तेजा जी चौक गुलाबपुरा, शिव मंदिर सिंधी कॉलोनी, श्री चारभुजा नाथ मंदिर, श्री चिंतहरण बालाजी मंदिर, एवं आज का कार्यक्रम श्री शिव मंदिरकुंबर कॉलोनी में संपन्न हुआ। अगला कार्यक्रम भीलवाड़ा रोड स्थित मंशापूर्ण बालाजी मंदिर पर किया जाएगा जिसकी सूचना आज के हनुमान चालीसा पाठ में दी गई। संपूर्ण हिंदू समाज एवं सभी संगठनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।संगठन की योजना अनुसार आगे भी समय-समय पर भव्य हनुमान चालीसा पाठ के कार्यक्रम किए जाएंगे।

मैं अपने देश के लिए जान दे रहा हूं - क्रांतिकारी सरदार उधम सिंह

31 जुलाई बलिदान दिवस पर विशेष....

राजस्थान 'मैं देश के लिए जान दे रहा हूं' कह कर इस भारतीय 'शेर' ने लिया था जालियांवाला कांड का बदला 'मरने के लिए बूढ़े होने का इंतजार क्यों करना? मैं देश के लिए अपनी जान दे रहा हूं...', आज से 80 साल पहले भारत मां के वीर पुत्र ने फांसी पर चढ़ने से पहले अपने देशवासियों के नाम यह चिट्ठी लिखी थी। 13 अप्रैल, 1919 को पंजाब के जलियांवाला बाग में रॉलेट एक्ट का विरोध कर रहे हजारों निर्दोष भारतीयों को जब अंग्रेज गोलियों से भून रहे थे, तो एक सरदार ने अपनी मिट्टी से वादा किया था कि वो इस नरसंहार का बदला लेकर रहेगा।अपने वादे को पूरा करने के लिए भारत मां का यह लाल 21 सालों तक बदले की आग में जलता रहा और आखिरकार 13 मार्च, 1940 को लंदन में माइकल ओ ड्वायर को मौत के घाट उतार कर अपनी कसम पूरी की। माइकल ओ ड्वायर जलियांवाला कांड के वक्त पंजाब प्रांत के गवर्नर थे। यह वीर देशभक्त जिन्हें पूरा देश सरदार उधम सिंह के नाम से जानता है, उनका असली नाम था शेर सिंह। 13 मार्च को उधम सुबह से ही अपनी योजना को अंजाम देने के लिए पूरी तरह तैयार थे। माइकल ओ ड्वायर को एक सभा में हिस्सा लेने के लिए तीन बजे लंदन के केक्सटन हॉल में जाना था। उधम वहां समय से पहुंच गए। वो अपने साथ एक किताब ले कर गए थे, जिसके पन्नों को काट कर उन्होंने बंदूक रखने की जगह बनाई थी। उन्होंने धैर्य के साथ सभी के भाषण खत्म होने का इंतजार किया और आखिर में मौका पाते ही किताब से बंदूक निकाल कर ड्वायर के सीने में धड़ाधड़ गोलियां दाग दीं। ड्वायर को दो गोलियां लगीं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस दौरान तीन अन्य अधिकारी भी घायल हो गए, जिनमें भारत के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट भी शामिल थे। उधम सिंह का 21 साल लंबा इंतजार पल भर में खत्म हो गया, लेकन अभी उन्हें अपने साहस की सजा मिलनी बाकी थी। उन्हें तुरंत पकड़ कर हिरासत में ले लिया गया। उधम सिंह ने खुलेआम अपना गुनाह कबूल करते हुए लिखा कि, मैंने उसे मारा क्योंकि मुझे उससे नफरत थी। वो इसी लायक था। मैं किसी समाज का नहीं। मैं किसी के साथ नहीं। मरने के लिए बूढ़े होने का इंतजार क्यों करना? मैं देश के लिए अपनी जान दे रहा हूं। केवल दो महीने चले मुकदमे के बाद 31 जुलाई, 1940 को उन्हें पेंटनविले जेल में फांसी दे दी गई। उन दिनों उधम सिंह का नाम शेर सिंह हुआ करता था। 26 दिसंबर, 1899 को पंजाब के संगरूर गांव में उनका जन्म हुआ था। छोटी सी उम्र में ही माता पिता के निधन के बाद वो अनाथालय में पले-बढ़े। उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की थी जब जालियांवाला के दर्दनाक कांड ने उनके जीवन को आजादी की लड़ाई की तरफ मोड़ दिया। वो 'गदर' पार्टी से जुड़े और बाद में बड़े नेता के तौर पर उभरे। इसी बीच उन्हें 5 साल की जेल की सजा हुई थी। सजा काटने के दौरान लाहौर जेल में उनकी मुलाकात भगत सिंह से हुई, जिनसे वो बहुत प्रभावित हुए थे। जेल से निकलने के बाद उन्होंने अपना नाम बदल कर 'उधम सिंह' रखा और पासपोर्ट बनाकर विदेश चले गए। उधम सिंह अपने मिशन को अंजाम देने के लिए इतने समर्पित थे कि वे कई साल तक भेष बदल कर विदेश में रहे। इस दौरान एक तरफ दूसरे विश्व युद्ध का खतरा मंडरा रहा था और दूसरी तरफ साउथैंपटन में उधम सिंह आजाद के नाम से रह रहे थे। यहां वो सेना के लिए कैप बनाने वाली कंपनी में काम करते थे। उधम सिंह ने एलिफेंट बॉय और द फोर फेदर्स नाम की दो ब्रिटिश फिल्मों में भी काम किया, लेकिन किसी की मजाल नहीं थी कि उन्हें पहचान पाता। वहां अंग्रेजों की ज्यादती का विरोध करने के कारण वो पुलिस की नजरों में तो आ गए, लेकिन कभी किसी के हाथ नहीं आए। उनके पीछे ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी भी लगी हुई थी, लेकिन कोई उन्हें खोज नहीं पाया। 13 अप्रैल को मिशन पर निकलने से पहले उधम अपने मित्र और पिता समान बंदा सिंह से मिले थे। उधम ने भावुक हो कर अपने मित्र से कहा था कि भाई जी अपना सामान बांध लो और ये शहर छोड़ दो। मैं कुछ करने वाला हूं। मैं नहीं चाहता कि बाद में जो कुछ हो उसमें आप पकड़े जाओ। बांदा सिंह मना करने पर उधम से कहा 'उसे मरना ही होगा और मुझे ही ये करना है'..इतना कह कर उधम सिंह ने अपनी आखिरी मुलाकात पूरी की और चल पड़े।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर की गंगा में कूद कर मरने से बचाया गया पीएसी का रिटायर्ड जवान : वजह में गृह कलह की चर्चा

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां जिले में किसी न किसी वजह से मौत को गले लगाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में पीएसी के रिटायर्ड एक और जवान ने गंगा जी में कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने की असफल कोशिश की लेकिन उसे किसी तरह से बचा लिया गया जिसके बाद उसे परिवार वालों के हवाले किया गया है। इस घटना की वजह पारिवारिक कलह से जुड़ी हुई बताई जाती है जिसे लेकर आत्महत्या करने की असफल कोशिश वाला पीएसी का रिटायर्ड जवान बहुत परेशान है। यह घटना जाजमऊ थाना क्षेत्र के गंगापुल की है। घटना के बारे में पुलिस से प्राप्त विवरण के मुताबिक मूलरूप से उन्नाव के तकिया गांव निवासी 55 वर्षीय मदन भदोरिया पीएसी की 37 वीं बटालियन से सेवानिवृत्त है। वह परिवार के साथ चकेरी के हरजिंदर नगर में रहते हैं। उन्होंने कुछ समय पहले ही नौकरी से वीआरएस लिया है। पुलिस द्वारा हासिल की गई जानकारी के मुताबिक आज रविवार को पारिवारिक कलह के करण रिटायर्ड पीएसी जवान मदन भदोरिया जाजमऊ के नए गंगापुर पहुंचे। जहां से उन्होंने आत्महत्या करने के लिए गंगा में छलांग लगा दी। इस दौरान नदी के आसपास मौजूद नाविकों ने उन्हें बचाकर बाहर निकाला। साथ ही हादसे की सूचना जाजमऊ पुलिस को दी। मौके पर जाजमऊ थाने के सिपाही संजीव और कपिल पहुंचे। जिसके बाद पुलिस ने उनके स्वजन को हादसे की जानकारी दी। वह मौके पर पहुंचे जिसके बाद पुलिस ने उन्हें उनके हवाले कर दिया।

ड्रीम टीम संस्थान द्वारा गायन/नृत्य प्रतियोगिता का समापन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। बीकानेर जिले की ड्रीम टीम संस्थान द्वारा अपना म्यूजिकल गायन और नृत्य की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिले के रेलवे ऑडिटोरियम में आयोजित इस गायन नृत्य की प्रतियोगिता के आयोजन के तहत विद्यालय स्तर के विद्यार्थियों को मौका दिया गय्या। संस्थान के निर्णायक मंडल के सदस्य और इस संस्थान के संस्थापिका अंजुमन आरा ने बताया कि इस आयोजन में सहभागिता के लिए 20 लड़के और 20 लड़कियों का चयन 17 जुलाई को किया गया था।जिसका आज गायन और नृत्य रंगारंग प्रतियोगिताओं के साथ इसका समापन किया गया। इस प्रतियोगिता आयोजन में 7 साल से 20 साल तक के गायन वह नृत्य के कलाकारों ने अपना भरपूर बेस्ट देने का प्रयास किया। खचाखच दर्शकों से परे हॉल में इन कलाकारों ने नृत्य और गायन की रंग बिरंगी छटा बिखेरते हुए दर्शकों का मन मोहा। ईन कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देखकर अपनी कला को रंगारंग प्रदर्शन के माध्यम से साकार किया। दोपहर 3:00 बजे से शाम 8:00 बजे चले इस रंगारंग कार्यक्रम में गायन व नृत्य में चयन किए गए प्रथम द्वितीय और तृतीय कलाकारों को मुख्य अतिथि पूर्व न्यास अध्यक्ष हाजी मकसूद अहमद, महारानी कॉलेज की लेक्चरर नूरजहां, संतोष निर्वाण, लेखिका मोनिका गॉड और एसबीआई के पूर्व मैनेजर मोहम्मद सदीक चौहान ने कलाकारों को सम्मानित किया। वही इस अवसर पर संस्थान के सभी सदस्य गण और इस आयोजन में भाग लेने वाले सभी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र देकर भी अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गय्या।प्रतियोगिता गायन मैं प्रथम डिम्पल स्वामी रही वही दूसरे स्थान पर अर्पिता ओर तीसरे स्थान पर अंकिता शर्मा रही। नृत्य में जहां प्रथम स्थान पर डिंपल द्वितीय स्थान पर अनाया ओर तीसरे स्थान पर खुशी ने ये पुरस्कार प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में वरिष्ठ रंगकर्मी निर्देशक प्रदीप भटनागर, वरिष्ठ लेखक रंगकर्मी निर्देशक दयानंद शर्मा नृत्यांगना जोया शब्बीर ओर मयंक चौहान रहे। इस अवसर पर ड्रीम टीम संस्थान के चंचल सेन, शिवांगी भारद्वाज, रेशमा वर्मा, एडवोकेट सकीना बानो, सिकन्दर राठौड़, इस्पाक खान, समीर हसन, जीशान, सद्दाम हुसैन को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अतिथि मंडल और निर्णायक मंडल का भी सम्मान किया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन आरजे तमन्ना शब्बीर ने किया।

इस्लामी माह मोहर्रम शुरू, हजरत इमाम हुसैन की शहादत की यादगार यौमे आशूरा प्रदेश में 9 अगस्त को मनाया जाएगा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। जोधपुर मोहर्रम एकता कमेटी अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष बताया की इस्लामी कैलेण्डर वर्ष 1444 का पहला माह मोहर्रम का इस लिहाज से आगामी 08 अगस्त 2022 को प्रदेश भर में हजरत इमाम हुसैन की शहादत की यादगार रात मनाई जायेगी। तथा 31 जुलाई 2022 यकुम मोहर्रम से ही प्रदेश की अनेक मस्जिदों, व इमामबाड़ों, जमातखानों, दरगाहों ,खांनकाहों,कर्बला मुकामात में जलसे तथा मजलिसें, नियाज, फातिहा, लंगर ए हुसैनी भण्डारे शुरू हुए। जबकि 09अगस्त 2022 को सभी शहरों में परम्परागत जलसे, के कार्यक्रम होंगे। जिनमें बेशुमार इस्लामी परचम, ताजिए, व ताजियो के साथ अखाडे, ठोल तासे सहित हजारो लोग भी अकीदत के साथ शामिल होंगे। मोहर्रम एकता कमेटी के तत्वावधान में मोहर्रम के परम्परागत सभी धार्मिक परम्परागत कार्यक्रम गंगा जमुनी संस्कृति के तहत आपसी समन्वय, भाईचारे से सद्भावनापूर्वक सम्पन्न होंगे। मुस्लिम त्यौहारों के परमपरागत, धार्मिक कार्यक्रमों की मुख्य आयोजक मोहर्रम एकता कमेटी कै अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम बक्ष ने प्रदेश वासियों को नव वर्ष की मुबारकबाद दी मोहर्रम का त्यौहार प्रदेश की गंगा जमुनी तहजीब के मुताबिक सांझी विरासत को सर्वोपरि रखते हुए आपसी सद्भाव, प्रेम,भाईचारे के साथ मनाने की पुरखुलूस अपील की है। इन सभी के का रहेगा सहयोग। उस्ताद हाजी हमीम बक्ष, उस्ताद सुबराती खान, उस्ताद अ वहीद खान, उस्ताद रफिक कुरेसी,उस्ताद फारूक सोंलकी नदीम बक्ष, समसूदिन चूनंदडीघर, उस्ताद आबिद छिपा।

चोरी चेकिंग की भनक लगते ही उतार लिये जाते हैं बिजली के केबल

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। नगर के अन्दर बिजली उपभोक्ताओं द्वारा की जाती है बिजली की दिन रात चोरी चेकिंग की भनक लगते ही उतार लिये जाते हैं अलग से डाले गये केबिल बिजली विभाग को पहुंचाया जा रहा है काफी मोटा नुकसान अधिकांश केबिल नहीं आ पा रहे हैं पकड़ में भारतीय किसान मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव अतीकुर्रहमान सल्मानी ने प्रदेश के मुखिया मंत्री जी को बिजली चोरी किए जाने को लेकर एक शिकायती पत्र प्रेषित करते हुए कहा है कि नगर के अन्दर अधिकांश बिजली उपभोक्ता बिजली के खम्भों से अलग से कटिया डालकर व लाइन कनेक्शन केबिल में कट लगाकर रात एवं दिन में खुलैआम चोरी की जा रही है जबकि सरकार के सख्त नियमों की खुलैआम उपभोक्ताओं द्वारा धज्जियां उड़ाई जा रही है बिजली विभाग द्वारा सख्ती के साथ बिजली चेकिंग अभियान चलाया जाता है इसकी बिजली चोरों को भनक लगते ही अपने अपने मीटर से लगे अलग केबिलों को उतार लिया जाता है जो उपभोक्ता बिजली चेकिंग से अनभिज्ञ रहते हैं वह जांच की पकड़ में आ जाते हैं उनके खिलाफ विभाग द्वारा तुरन्त कार्यवाही को अम्ल में ले लिया जाता है जिससे उपभोक्ताओं में हड़कम्प की स्थिति भी बनी रहती है कुछ उपभोक्ता ऐसे भी है बिजली चोरी पकड़ में आने पर बिजली विभाग की टीम के साथ साथ अभद्रता का मामला अपनाया जाता है बिजली चोरी की स्थिति को देखते हुए नगर के अन्दर कोई समय निर्धारित न करते हुए डोन केमरों के अन्तर्गत उनकी वीडियो बनाई जाये तथा पकड़ में आने पर सख्त से सख्त कार्यवाही किये जाने के साथ साथ बिजली चोरी की धन वसूलयावी की जाये जिससे बिजली में सुधार लाया जा सके मांग की गई है।

संस्कृति मानव जीवन का आधार हैं: आचार्य विद्याप्रसाद मिश्र

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'हमारी सभ्यता और संस्कृति' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल मे 424 वाँ वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य विद्या प्रसाद मिश्र ने कहा कि संस्कृति हमारे जीवन का आधार है,हमें भारतीय संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। विश्व में हमारी संस्कृति पुरातन और सर्वश्रेष्ठ है। सभ्यता का सम्बंध बाहर से और संस्कृति का सम्बंध अंदर से है। सभ्यता भौतिक उन्नति से जुड़ी है और संस्कृति व्यवहार से जुड़ी है इसलिए हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए सुसंस्कृत व्यक्ति हर जगह सम्मान प्राप्त करता है। कपड़े पहनावा, रहन सहन वास्तु कला सभ्यता की पहचान है और अतिथि सत्कार,नम्रता हमारी संस्कृति का परिचायक है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि संस्कृति आचरण और व्यवहार का परिचय देती है। मुख्य अतिथि हापुड़ से आनंद प्रकाश आर्य व अध्यक्ष शिक्षाविद विद्याभूषण आर्य ने भी गौरव शाली संस्कृति अपनाने पर बल दिया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि हमारे पर्व संस्कृति का बोध करवाते हैं। गायक रविन्द्र गुप्ता,कुसुम भंडारी, कमलेश चांदना, आशा आर्या, रजनी गर्ग, रजनी चुघ, सुनीता अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, संतोष धर,सुषमा गुगलानी, चंद्र कांता गेरा, प्रवीना ठक्कर, विजय खुल्लर, शोभा बत्रा, जनक अरोड़ा आदि ने मधुर गीत सुनाए और तीज की बधाई दी। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बियर से करेंगे बालों को नेचुरली स्पा तो कंडीशनर जाएंगे भूल

बालों से जुड़ी परेशानियों को दूर करने के लिए हेयर स्पा करवाना बैस्ट माना जाता है। इससे बालों की जड़ों मजबूत होती हैं, जिससे बालों का झड़ना, रूसी, ड्राइनेस, बालों का टूटना आदि सहित और भी बहुत सी परेशानियां दूर हो जाती है। इससे बाल तो खूबसूरत हो जाते हैं लेकिन महीने में दो बार पार्लर जाकर स्पा ट्रीटमेंट करवाने के लिए हर किसी के पास समय नहीं होता। इसका एक कारण समय की कमी और दूसरा पैसों का ज्यादा खर्च है। आप कामकाजी है या फिर हाउसवाइफ अपने लिए कुछ समय निकाल कर खुद घर पर भी स्पा कर सकती हैं।

हेयर स्पा करने का तरीका

हेयर स्पा में सबसे पहले बालों को स्टीम दें। इसके लिए पानी को बर्तन में गर्म करने के बाद एक तौलिए को इसमें भिगो कर निचोड़ लें और इसे बालों को बांध लें। इसके अलावा चेहरे को स्टिम देने वाले स्टिमर से भी बालों को भाप दे सकते हैं लेकिन इसके लिए सावधानी बरतना बहुत जरूरी है।

बियर से इस तरह करें हेयर स्पा

बियर बालों के लिए सबसे अच्छा कंडीशन है। इससे ड्राई और डैमेज बाल जल्द ही ठीक हो जाते हैं। इस स्पा को बालों पर अप्लाई करने के लिए 1 बोतल बीयर और माइल्ड शैंपू की जरूरत है।

स्पा करने से पहले बियर की बोतल को रात भर के लिए खुला छोड़ दें। इससे उसका झाग खत्म हो जाएगा। अब सुबह बालों को धोकर कंडीशनर की जगह बालों पर बियर डालें। इसके बाद मसाज करें और बाद में पानी से बालों को धो लें। आप महीने में एक बार बीयर से घर पर ही हेयर स्पा कर सकते हैं। इसमें समय भी कम लगेगा और बालों को पूरा पोषण भी मिलेगा।

मेकअप करते वक्त होती है परेशानी तो फॉलो करें ये टिप्स

खूबसूरत दिखने के लिए लड़कियां मेकअप का सहारा लेती है। बढ़िया मेकअप करने पर उनकी लुक एकदम बदल जाती है लेकिन कई बार जल्दी में मेकअप करते समय कुछ प्रॉब्लम्स होती है। जिसे सभी लड़कियां फेस करती है जैसे आईलाइनर टेढ़ा लगना या फिर एक्सट्रा फाउंडेशन लग जाना। इस तरह की कई प्रॉब्लम होती है। जिसके कारण उन्हें मेकअप करने में बहुत समय लगता है। आज हम आपको इन प्रॉब्लम को दूर करने के आसान ट्रिक्स बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप आसानी से जल्दी मेकअप कर सकेंगी।

1. ज्यादा लिपस्टिक लगने पर

लिपस्टिक लगाते ही लुक ग्लैमरस बन जाती है लेकिन इसके ज्यादा लग जाने पर इसे घटाने के लिए टिशू पेपर लें और इसे होंठो पर रख कर ब्रश के साथ इसके ऊपर ट्रांसलूसेंट पाउडर लगाने पर एक्सट्रा लिपस्टिक हट जाएगी।

2. आईलाइनर टेढ़ा होने पर

कई बार आईलाइनर लगाते समय यह टेढ़ा हो जाता है और इसे पूरा हटाने से आईस खराब हो जाती है। इसलिए टेढ़ी लाइन हटाने के लिए द-ञस्त्र यूज करें। इसे लोशन या क्रीम में डुबोकर लाइनर को साफ करें। इससे आपकी लुक भी खराब नहीं होगी

और लाइनर हट भी जाएगा।

3. एक्सट्रा फाउंडेशन लगने पर

कई बार फाउंडेशन लगाने के बाद स्किन पर सिलवटे नजर आने लगती है। ऐसा इसे ज्यादा लगाने के कारण होता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो स्पंज लेकर इसे हल्का गीला करके चेहरे पर थपथपाएं। इस तरह एक्सट्रा फाउंनडेशन बड़ी आसानी से उतर जाएगा।

4. एक्सट्रा ब्लश लगने पर

चेहरे पर ज्यादा ब्लश लगाने पर भी स्किन पर सिलवटें नजर आने लगती है। इसे ठीक करने के लिए टिशू पेपर लें और इसे ब्लश वाली जगह पर रख कर हल्का दबाएं। इससे एक्सट्रा ब्लश आसानी से उतर जाएगा।

5. आईशैड फेस पर गिरने पर

अगर आईशैड लगाते यह चेहरे पर गिर जाता है तो इसे साफ करने के लिए उस हिस्से पर मॉइश्चराइजर लगाएं और मेकप ब्लेंडर से इसे साफ करें।

इम्यून सिस्टम करना है स्ट्रांग तो रोजाना खाएं भुने हुए चने

भुने हुए चने का सेवन बादाम खाने के बराबर होता है। अगर आप भी इसे रोजाना खाते हैं तो कई हेल्थ समस्याओं से बचें रह सकते है। इसमें काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन आदि पोषक तत्व पाएं जाते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। बाजार में भुने हुए चने दो तरह के मिलते हैं एक छिलके वाले और एक बिना छिलके के लेकिन छिलके वाले चने ज्यादा फायदेमंद होते हैं। इसके लिए रोजाना 50 से 60 ग्राम चने का सेवन करें। आइए जानिए किन-किन समस्याओं से छुटकारा दिलाते हैं भुने चने।

1. पेशाब की समस्या से दिलाएं छुटकारा

बार-बार पेशाब आने की समस्या से राहत पाने के लिए भुने चने बहुत फायदेमंद है। इसके लिए रोजाना भुने चने को गुड़ के साथ खाएं। इस उपाय को करने से आपको बहुत जल्दी फायदा मिलेगा।

2. रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

भुने चने का सेवन करने से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मौसम बदलने पर होने वाली समस्याओं से शरीर बचा रहता है। इसके लिए रोजाना नाश्ते में या दोपहर के भोजन से पहले 50 ग्राम भुने हुए चने खाएं।

3. वजन घटाने में करें मदद

भुने हुए चने शरीर की एक्सट्रा चर्बी घटाने में मदद करते हैं। अगर आप या आपका कोई खास मोटापे की समस्या से परेशान है तो वह रोजाना की डाइट में भुने हुए चने शामिल करें।

4. श्वसन नली रोग करें दूर

चने श्वसन नली संबधी रोगों को दूर करने में मदद करते हैं। इसके लिए रात को सोने से पहले चने को चबा कर खाएं और साथ में गर्म दूध पीएं। आपको बहुत जल्दी फायदा मिलेगा।

5. डायबिटीज करें कंट्रोल

डायबिटीज रोगियों के लिए भुने चने बहुत फायदेमंद है। चने शरीर में ग्लूकोज की मात्रा को सोख कर शुगर को कंट्रोल करते हैं। इसके अलावा ब्लड शुगर का लेवल कम होता है।

6. कब्ज से मिलें छुटकारा

कब्ज की समस्या होने पर शरीर थका-थका, सुस्त बना रहता है और इसके ठीक न होने पर शरीर को कई बीमारियां घेर लेती है। इस परेशानी से राहत पाने के लिए हर रोज चने खाना शुरू करें।

7. पाचन शक्ति और दिमाग बढाएं

रोजाना चने खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और दिमागी शक्ति बढ़ती है। इसके अलावा चने में फॉस्फोरस होने के कारण यह शरीर में हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ाता है और किडनी से एक्स्ट्रा साल्ट बाहर निकालने में मदद करता है।

इन लोगों को अवॉइड करना चाहिए नींबू पानी, जानिए क्यों?

गर्मियों में अधिकतर लोग नींबू पानी पीना पसंद करते हैं। इससे शरीर को विटामिन-सी, पोटाशियम और फाइबर मिलता है लेकिन जरूरी नहीं कि यह हर किसी के लिए फायदेमंद हो। कुछ लोगों के लिए नींबू पानी नुकसानदायक हो सकता है। इसके अलावा इसका अधिक सेवन भी शरीर को नुकसान पहुंचाता है। आज हम आपको उन लोगों के बारे में बताएंगे जिन्हें नींबू पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे उनकी प्रॉब्लम बढ़ सकती है।

दांतों की प्रॉब्लम

अगर आपके दांतों में किसी भी तरह की प्रॉब्लम हैं तो नींबू पानी का सेवन न करें। इससे सेंसिटिविटी की समस्या बढ़ जाती है। इससे दांत टूट भी सकते है।

पेट के अल्सर

पेट के अल्सर से पीड़ित लोगों को नींबू पानी नहीं पीना चाहिए। इससे जलन और दर्द बढ़ सकता है।

यूरिन प्रॉब्लम

अगर आपको यूरिन संबंधित कोई प्रॉब्लम है तो नींबू पानी न पीएं। इससे इंफैक्शन बढ़ सकती है।

एसिडिटी

नींबू में अधिक मात्रा में एसिड पाया जाता है। अगर आपको एसिडिटी की प्रॉब्लम है तो इसका सेवन न करें। इससे प्रॉब्लम बढ़ सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ब्रेकअप की खबरों के बीच टाइगर ने दिशा को इस बात की दी बधाई

बॉलीवुड के रुमर्ड कपल दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ के ब्रेकअप की खबरें इस समय चर्चा में बना हुआ है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दोनों का ब्रेकअप हो चुका है। आपको बता दें कि 29 जुलाई को सिनेमाघरों में दिशा पाटनी की फिल्म एक विलेन रिटर्न्स रिलीज हुई। फिल्म बाक्स आफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। लेकिन दिशा के रोल को काफी पसंद किया जा रहा है। लोग सोशल मीडिया पर दिशा की तारीफ कर रहे हैं। फैंस के साथ साथ बॉलीवुड सेलिब्रीटीज भी दिशा की एक्टिंग को बेहतरीन बता रहे हैं। तो भला टाइगर क्यों पीछे रहते। टाइगर श्रॉफ ने इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए फिल्म की पूरी कास्ट के साथ दिशा की भी तारीफ करते दिखें। टाइगर अपने इंस्टा स्टोरी में लिखा है, क्या मनोरंजक फिल्म है और पूरी कास्ट ने बेहतरीन एक्टिंग की है। सभी को बधाई। टाइगर श्रॉफ ने अपनी पोस्ट में दिशा पाटनी के साथ फिल्म की पूरी कास्ट और डायरेक्टर को टैग किया है। पिछले कुछ दिनों से खबर आ रही थी टाइगर श्रॉफ और दिशा पाटनी ने ब्रेकअप कर लिया है। खबरों में बताया जा रहा था कि टाइगर श्रॉफ के दोस्त ने इस खबर को कन्फर्म किया था। वहीं, मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दिशा पाटनी ने टाइगर श्रॉफ को सुझाव दिया था कि उन्हें अब शादी कर लेना चाहिए, लेकिन टाइगर श्रॉफ ने दिशा पाटनी से कहा कि वह अभी शादी के लिए तैयार नहीं हैं।

न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू पर काजोल ने तोड़ी चुप्पी

अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई है।सोशल मीडिया पर आए दिन न्यासा की पार्टी की फोटोज वीडियोज वायरल होती रहती है। लोगों को न्यासा की फोटोज काफी पसंद भी आती है। कुछ महीने पहले लैक्मे फैशन वीक 2022 में 19 साल की न्यासा ने मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के लेटेस्ट कलेक्शन की मॉडलिंग की थी। न्यासा के ग्लैमरस लाइफ को देखकर हर कोई यहीं सवाल करता है कि आखिर वो बॉलीवुड डेब्यू कब करेंगी। हाल ही में एक मीडिया हाउस से बात करते हुए काजोल ने न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू पर खुलकर बात की है। एक मीडिया हाउस से बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने अपने बच्चों न्यासा और युग के बॉलीवुड में करियर बनाने को लेकर कहा, जहां तक मेरे बच्चों की बात है, मुझे लगता है कि वो जो भी करना चाहते हैं, मैं उनका समर्थन करूंगी। जिसमें उनको खुशी मिलेगी वो वही करेंगे। उनकी खुशी हमारे लिए मायने रखती है। काजोल आगे बोली कि मुझे लगता है कि एक मां के तौर पर मेरा सबसे बड़ा काम उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में मार्गदर्शन करना नहीं। बल्कि उन्हें खुश करना है और समाज का एक प्रोडक्टिव मेंबर बनाना है। वहीं, जब काजोल से न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू पर सवाल किया गया तो वो बोली कि मुझे लगता है कि न्यासा अपने लिए खुद निर्णय ले सकती हैं। जैसा मैंने कहा, मैं उन्हें बॉलीवुड से दूर नहीं कर रही हूं, मैं किसी भी काम के लिए उन्हें फोर्स नहीं करूंगी। वो जो करेंगी अपने लिए करेंगी। वो 19 साल की हैं, समझदार हैं और अपने फैसले लेने में सक्षम हैं।

अपनी सुरक्षा के लिए खास इंतजाम कर रहे है भाईजान

पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के बाद बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को लगातार कई समय से जान से मारने की धमकियां मिल रही थी। कुछ समय पहले सलमान खान के पिता को सलमान को जान से मारने की धमकी देता हुआ लेटर मिला था जिसके बाद सलमान खान ने मुंबई पुलिस में गन लाइसेंस के लिए अपलाई किया था। वेपन लाइसेंस के बाद अब सलमान खान ने अपनी सुरक्षा के लिए एक और बड़ा कदम उठाया है। जब से सलमान खान को जान से मारने की धमकी मिली है, तब से वो अपनी सुरक्षा को लेकर और भी ज्यादा सर्तक हो गए है।